Contents

: विषयानुक्रमणिका :

प्रथम अध्याय : भारतीय परम्परागत रंगमंच एक पृष्ठभूमि

क. भारतीय परम्परागत रंगमंच।
ख. वैदिक काल का रंगमंच ।
ग. प्राचीन नाट्यशाला के विभाग ।
घ. बौद्धकाल ।
ङ. संस्कृत काल ।
च. लोककला एवं लोकरंगमंच।

द्वितीय अध्याय : रंगमंच का बदलता स्वरूप

क. पारसी रंगमंच।
ख. भारतेन्दु कालीन रंगमंच।
ग. पृथ्वी थियेटर ।
घ. एब्सर्ड थियेटर ।
ङ. बहुधरातलीय रंगमंच ।

तृतीय अध्याय : साठोत्तरी हिन्दी नाटकों का रंगमंच

क. रंगशाला का शिल्प ।
ख. विविध दृश्य विधान ।
ग. प्रकाश योजना ।
घ. ध्वनि योजना ।
ङ. नेपथ्य ।

चतुर्थ अध्याय : तकनीकी दृष्टि से रंगमंच का अध्ययन

क. निर्देशन ।
ख. समूह संरचना ।
ग. मंच विधान ।
घ. वेश विन्यास ।
च. रूपसज्जा ।
छ. मुखोटों का प्रयोग ।
ज. अभिनय ।

पंचम अध्याय : साठोत्तरी हिन्दी नाटकों में रंगमंचीय प्रयोग

क. छठे दशक के नाटकों में रंगमंचीय प्रयोग ।
ख. सातवें दशक के नाटकों में रंगमंचीय प्रयोग ।
ग. आठवें दशक के नाटकों में रंगमंचीय प्रयोग ।
घ. नवें एवं दसवें दशक के नाटकों में रंगमंचीय प्रयोग ।

षष्ठ अध्याय : लोकनाट्यों के रंगमंच का स्वरूप

क. लोकनाट्य का रंगमंच ।
ख. आधुनिक नाटकों पर लोकनाट्य रंगमंच का प्रभाव।
ग. लोकनाट्यों के रंगमंच का स्वरूप।
घ. लोकसंगीत।
ङ. लोकनृत्य।
च. लोकनाट्यों का संक्षिप्त परिचय ।

सप्तम् अध्याय : रंगमंचों के स्वरूप

क. मराठी रंगमंच ।
ख. बंगाली रंगमंच ।
ग. गुजराती रंगमंच ।
घ. हिन्दी रंगमंच का बदलता स्वरूप ।
ङ. इलेक्ट्रानिक मीड़िया एवं रंगमंच की भावी सम्भावनाएँ ।

अष्टम् अध्याय : भारत के विभिन्न प्रांतों में रंगसंस्थायें

नवम् अध्याय : उपसंहार

1. अध्ययन का सारांश
2. निष्कर्ष